



मदुरई-त.ना। | नवनिर्मित 'शक्ति सरोवर तपोवन रिट्रीट सेंटर' के उद्घाटन कार्यक्रम में राजयोगिनी दादी जानकी के साथ दीप प्रज्जलित करते हुए ब्र.कु. हंसा, सबज़ोन डायरेक्टर ब्र.कु. मिनाश्वी, ब्र.कु. मृत्युंजय, ब्र.कु. करुणा, ब्र.कु. बीमा, करुमुत्तु कानन, चेयरमैन, त्यागराजर मुप आफ कम्पनीज एंड कॉलेज, ब्र.कु. रमेश, ब्र.कु. कलावती तथा अन्य।



बोंगलुरु-कर्नाटक। 'छ: मासिक जनजागृति एवं पुनर्जीवन अभियान' के शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान मंचासीन हैं राज्यपाल महोदय बजुभाई रुदाभाई वाला, डॉ. बसवराजु, आई.ए.एस., प्रिन्सीपल सेक्रेट्री, ट्रान्सपोर्ट डिपार्टमेंट, कर्ना.सरकार, एम.एस. राजू, प्रिन्सीपल सेक्रेट्री, बिहार सरकार, डॉ. सुशील चन्द्रा, साइंटिस्ट-एफ., ब्र.कु. अमिका दीदी तथा सम्बोधित करते हुए राज्योगी ब्र.कु. मृत्युंजय।



आगर-मालवा(म.प्र.)। ज्ञानचर्चा के पश्चात् सांसद मनोहर ऊँटवाल को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. वंदना।



बड़ौत-उ.प्र। छपरौली के विधायक शैलेन्द्र पाल सिंह को माउण्ट आबू में होने वाली कॉफेन्स का निमंत्रण देने के पश्चात् ओमशान्ति मीडिया पत्रिका भेंट करते हुए ब्र.कु. सीमा। साथ हैं ब्र.कु. बोविन्दर तथा अन्य।



उकलाना मण्डी-हरियाणा। ज्ञानचर्चा के पश्चात् मार्केट कमेटी के चेयरमैन सत्यपाल शर्मा को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. दीपक। साथ हैं समाजसेवी सत्यनारायण बंसल तथा ब्र.कु. किरण।



जगदलपुर-छ.ग। आयुष महावर भवन में 'मेमोरी मैनेजमेंट पर आधारित 'खुशियों का बिग बाज़ार' विषयक त्रिविवसीय शिविर का दीप प्रज्जलित कर उद्घाटन करते हुए माइंड एंड मेमोरी ट्रेनर ब्र.कु. शक्तिराज, ब्र.कु. मंजूषा, बस्तर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. शैलेन्द्र सिंह, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष विद्याशरण तिवारी तथा अन्य गणमान्य लोग।



मंदसौर-म.प्र। दशपुर जागृति संगठन एवं लायन्स क्लब द्वारा समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों हेतु राज्योगिनी ब्र.कु. समिति बहन को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित करते हुए दशपुर जागृति संगठन अध्यक्ष डॉ. पुराणिक, लायन्स क्लब अध्यक्ष दिनेश सोनी, शासकीय माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य अम्बरम पाटीदार तथा अन्य।

आपका समाधान विश्वास में...

- ब्र.कु.सूर्य,माउण्ट आबू

आने वाली समस्याओं से बचने के लिए और अच्छे स्वास्थ्य के लिए जल चार्जिंग और कुछ टिप्पणीं...

किसी भी प्रकार की बीमारी के इलाज के लिए नीचे दी गई 4 विधियों का पालन करें... जब हम सो जाते हैं, हमारा अवचेतन मन जागृत हो जाता है, तो अवचेतन मन में इस विचार को विश्वास के साथ 5 बार भरें - 'मैं इस बीमारी से मुक्त हूँ। मैं पूरी तरह से स्वस्थ हूँ।'

अगर आप इन शब्दों को आत्मविश्वास से कहते हैं, तो आपका अवचेतन मन उन्हें स्वीकार कर लेगा।

जैसे- 'मेरा ब्लड प्रेशर सामान्य हो गया है। मेरा दिल बिल्कुल ठीक हो गया है या मेरे गुदे पूरी तरह से ठीक हो गए हैं... आदि।' इन विचारों को पूर्ण आत्मविश्वास के साथ कहें, तब अवचेतन मन उन्हें स्वीकार कर लेगा। पानी को कम से कम एक दिन में 5 बार चार्ज करें और इसे पी लें। पानी चार्ज करने का तरीका है - पानी को दृष्टि दें और 5 बार संकल्प करें-

'मैं सर्वशक्तिमान आत्मा हूँ।'

(आप ब्रह्माकुमारीज के सेवाकेंद्र में बाबा के योग कक्ष में पानी की बोतल/जग को रखकर ये कर सकते हैं या घर पर बाबा की तस्वीर के सामने योग के दौरान पानी में दृष्टि दें और बाबा की किरणों को पानी पर पड़ते और

से फील होती है, तो इस योग को 3 महीने

इसे शुद्ध होते हुए देखें। महसूस करें कि पानी पूरी तरह से सकारात्मक, सक्रिय रूप से चार्ज है और इस चार्ज पानी को पीने पर मेरे विचार शुद्ध विचार हो गए हैं...

'मैं मास्टर सर्वशक्तिमान आत्मा हूँ। यह पानी शरीर में प्रत्येक कोशिका को पूरी तरह से चार्ज कर रहा है और सभी अशुद्धियों को निकाल रहा है।'

आपके शरीर (मस्तिष्क, गुर्दा, हृदय, आदि) के किसी भी अंग को कुछ समस्या हो, तो उस अंग को सुबह, दोपहर और शाम 5 मिनट हर बार ऊर्जा दें।

ऊर्जा देने का तरीका है- दोनों हथेलियों को रगड़ें और संकल्प करें- 'मैं मास्टर सर्वशक्तिमान आत्मा हूँ।' और फिर हथेलियों को शरीर के प्रभावित हिस्से पर रखें। कुछ समय बाद, इस प्रक्रिया को वापिस दोहराएं। शरीर को ऊर्जा देने के दौरान सोचें कि शरीर का यह हिस्सा सही हो रहा है, यह पूरी तरह ठीक हो रहा है।

अमृतवेले विशेष योग करें - रोग से छुटकारा पाने के लिए, एक घंटे का योग करने के लिए, दिन के दौरान कुछ समय तय (Fix) करें। इसे 21 दिनों तक करें। यदि योग करने का स्थान और समय एक निश्चित समय पर हर रोज़ होता है, तो यह अच्छा होगा। यदि बीमारी पुरानी है और लंबे समय से फील होती है, तो इस योग को 3 महीने

तक करें।

भट्टी कैसे करें - (विशेष, गहन योग)

समस्या मुक्त बनने के लिए, विद्यों से मुक्ति : अमृतवेला योग के अलावा, यह योग 21 दिनों के लिए भी करना है। योग शुरू करने से पहले ये दो स्वमान 5 बार अभ्यास करने हैं... 'मैं मास्टर सर्वशक्तिमान आत्मा हूँ।' मैं विद्य विनाशक आत्मा हूँ।'

उसके बाद एक घंटे के लिए शक्तिशाली योग करें। योग के दौरान, शिवबाबा से किरणों को लें/अवशोषित करते रहें।

नौकरी में सफलता के लिए

किसी भी नौकरी में सफल होने के लिए, जैसे ही आप सुबह उठते हैं, इन दो स्वमानों का सात बार अभ्यास करें :

'मैं मास्टर सर्वशक्तिमान आत्मा हूँ। विजय मेरा जन्म सिद्ध अधिकार है।'

एक घंटे तक शक्तिशाली योग करें और योग शुरू करने से पहले 5 बार स्वमान का अभ्यास कर लें।

बुरी आदतों से मुक्त होने के लिए किसी भी व्यसन, क्रोध से छुटकारा पाने के लिए, बच्चों को अपनी पढाई पर ध्यान देने के लिए, दूसरों को शुद्ध बनाने के लिए... आदि - भोजन तैयार करते समय, खाना पकाने के दौरान, 100 बार संकल्प करें, 'मैं सम्पूर्ण पवित्र आत्मा हूँ।'

दो प्रकार की यात्राएं हमारे इस जीवन में होती हैं, एक है अंदर की यात्रा और एक है बाहर की यात्रा। हमारे जीवन में आज तक जो भी घटनाएं घटीं, वह बहिरुखता के कारण ही घटती हैं। मौन एक जादुई ताबीज़ है। जिसने भी इस ताबीज़ को पहन लिया, उसने अपना जीवन और समय सब कुछ सफल कर लिया।

जितने भी ऋषि मुनि हुए, उन्होंने इस ताबीज़ को पहना है। अब हम बच्चों को परमिता परमात्मा ने बताया है कि तुम्हें भी इस ताबीज़ को पहनना है। अर्थात् हमारा असली सफर है ही आत्मा तक पहुँचने का।

हम देहभान में आकर अपनी अंतरात्मा को भूल गए हैं, अपने गुणों और शक्तियों को भूल गए हैं। मौन में रहने के बहुत सारे फायदे हैं। एक

तो फायदा यह है कि हमारी शक्तियाँ ड्रेन नहीं होती हैं, क्योंकि जो जितना मौन में होगा उतनी उसकी शक्तियाँ जमा होंगी और

एक जादुई ताबीज़ 'मौन'

दूसरी बात है कि जब हम देहभान में आते हैं तब हम व्यर्थ बोल और कर्म की वजह से अपनी शक्ति खो देते हैं।